,क्षेप्र

अमिताम श्रीवास्तव,

अपर सिचेव,

उत्तरायल शासन।

,काष्ट्र5नि भेवा में

भंस्कृति निदेशालय,

दहरादुन्।

्मार्स्टृष्ट तीकुर्भाग

वेहरादून:दिनांक न मार्च, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2005–06 हेतु फनीचर एवं उपकरण कय किये जाने के संबंध में।

अभिलेखागार, देहरादून एवं क्षेत्रीय अभिलेखागार, नैनीताल के प्रयोगार्थ फनीचर एवं उपकरण क्य जनवरी, 2006 के सदमें में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भी राज्यपाल महोदय राज्य कान्डी ,३००-३००२ \६--वि \०४०नि०भ \६४६।-१४४ क्याह कप्रवृति १५६१ -१४४ क्याह , फ़ इंडिम

समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशी में निहित निदेश का कड़ाई से अनुपालन किया जाये। नाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सबध मे स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना कि रिकिश हस्तुपुरिक के नियम या अदिश के ग्रेडिश के प्रमान के किरोप हर्म के प्रिकार के किरोप है किसी ऐसी क्या के निज का अधिकार नहीं देता है, जिसे ब्या करने के लिये बजर मैनुअल या सीमा तक ही ब्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवरन 2— उक्त स्वीकृत धनशीश इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत को जाती है कि मितव्ययी मदो मे आविटित 15 5yक नार्ग्य ठीकुर्कि विडाप कि

। गिर्मा एकी अनुमारित एवं टेंडर प्रक्रिया के अनुसार किया जायेगा । 3- फनीचर एवं उपकरणी का क्य स्टार परवेज एक्ट रिलस्स के अनुसार विभागीय गीठत क्य

की दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय। 4- अगणा में ने से हो हो कि क्रिक्ट की हो। कि क्रिक्ट कि एक में हैं। उसी में नाजा में नाजा कि क

उपकरण नामक मानक मद के नामे डाला जायेगा। संस्कृति—00—104 —अभिलेखागार—00—आयोजनागत—03 राज्य अभिलेख—12 कायोलय फनीचर एव 5— उपरोक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2005–06 के अनुदान संख्या–11 के लेखाशीयक –2205–कना एव

15 5y In िकी शिर्फ कि तिमित्रिक्त किन्छ 'त्रिमार में 800S ,हार अरिश विता विभाग के अशा० पत्र संख्या− 1033 /XXVII(3) / 2006 दिनाक 04 मार्च,

भवदीय,

अपर सचिव (अमिताभ श्रोवास्तव)

<u> एव्हांम् संख्या । ५ / । ८ । न्य । नक्ष</u>

-- तृषीर्द्र हुई डिाइयेक कथ्डाह हुए थिन्द्रमु कि तृधालीन निनितिर

- 2- आयुक्त गढ़वाल ्कुमार्य मण्डल, उत्तरांचल। १- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादुन।
- 3 विषय कोषाधिक हिराहून।
- 4- वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- -5- श्री एलएम०पन्त, अपर सिबेद, वित्त, उत्तरांचल शासन।
- 6- निदेशक, एन०आई०सी०, देहरादून सिववालय।
- 7- बजर राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सिविवालय, देहरादून।
- 8- समस्त जिलाधिकारी उत्तरायल

। ल्ड्राक्ष शाम-6

इहीए रगह (क्रिमेताभ श्रोवार्ष्सेव)

